सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 187 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 16 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
-सम्राट अशोक

मुफ्त शिक्षा और इलाज रेवड़ी नहीं, देश... 7 | भाजपा को उसी के दांव से चित... 3 | यूपी के युवा दूसरों को दे रहे... 2

नीतीश कैबिनेट में राजद का दबदबा

तेजप्रताप समेत 31 ने ली मंत्री पद की शपथ

» पहले मंत्रिमंडल विस्तार में राजद के 16 और जेडीयू के 11 विधायक शामिल

» कांग्रेस को दो, हम और निर्दलीय को एक-एक मंत्री पद मिला

» तेजप्रताप यादव को मिला पर्यावरण व वन मंत्रालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सीएम नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार की कैबिनेट में राजद का दबदबा रहा। पहले मंत्रिमंडल विस्तार में राजद के 16, जेडीयू के 11, कांग्रेस के दो, हम के एक और एक निर्दलीय विधायक ने शपथ ली। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को मंत्री बनाया गया है। कुल 31 लोगों ने आज मंत्री पद की शपथ ली है। वहीं मंत्रियों के विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया है।

उपेंद्र कुशवाहा को नहीं मिली जगह

जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को कैबिनेट में जगह नहीं मिली है। इस बीच वे दिल्ली गए हैं।

नीतीश कैबिनेट में तेजप्रताप को एक बार फिर से जगह मिली है। उन्हें पर्यावरण और वन मंत्री बनाया गया है। सबसे पहले पूर्व विधान सभा अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ विधायकों विजेंद्र यादव, आलोक मेहता , तेज प्रताप यादव, आफाक आलम ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल फागू चौहान ने मंत्री बनने वाले विधायकों को शपथ दिलायी। कैबिनेट में सीपीआई-एमएल, सीपीआई और सीपीएम को जगह नहीं मिली है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार की नई सरकार में मंत्री बनने वाले राजद के कई विधायक पहले भी मंत्रिमंडल का हिस्सा रह चुके हैं। सीएम नीतीश कुमार नौ अगस्त को एनडीए से अलग हो गए थे। इसके बाद उन्होंने राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार बनायी है।

इन मंत्रियों ने ली शपथ

जदयू से विजय कुमार चौधरी, बिजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, लेसी सिंह, संजय झा, मदन सहनी, शीला कुमारी, सुनील कुमार, मोहम्मद जमा खान, जयंत राज तो राजद से तेजप्रताप यादव, आलोक मेहता, सुरेंद्र प्रसाद यादव, रमानंद यादव, कुमार सर्वजीत, ललित यादव, समीर कुमार, चंद्रशेखर, जितेंद्र कुमार राय, अनीता देवी, सुधाकर सिंह, इसराइल मंसूरी, सुरेंद्र राम, कार्तिकेय सिंह, शहनवाज आलम, शमीम अहमद, कांग्रेस से दो आफाक आलम, मुरारी गौतम, हम से एक संतोष कुमार और एक निर्दलीय सुमित कुमार सिंह ने शपथ ली।

भाजपा ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली। बिहार में जेडीयू से गठबंधन टूटने के बाद से भाजपा की टेंशन बढ़ गई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार मंथन कर रहे हैं कि आखिर अब आगे किस रणनीति पर काम किया जाए ताकि बिहार में नैया पार लग सके। इसी क्रम में आज एक बार फिर से दिल्ली में भाजपा की कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई है जिसकी अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करेंगे। इस बैठक में बिहार भाजपा के 20 बड़े नेताओं के भाग लेने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में 2024 के लोक सभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की भावी रणनीति पर चर्चा होगी। सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में सांगठनिक फेरबदल की भी चर्चा हो सकती है। भाजपा के संगठन महासचिव बी एल संतोष भी इस बैठक में मौजूद रहेंगे।

नीतीश के पास गृह समेत पांच और तेजस्वी के पास चार विभाग

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गृह विभाग अपने पास ही रखा है। इसके अलावा उनके पास सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी और निर्वाचन विभाग रहेंगे। साथ ही ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं हुए हैं, उनकी जिम्मेदारी भी सीएम नीतीश की होगी। तेजस्वी यादव को स्वास्थ्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग मिला है।

लखनऊ में बनेगी नाइट सफारी, डिफेंस कॉरिडोर की नई नीति मंजूर

जेल मैनुएल में बदलाव, ईको टूरिज्म बोर्ड का होगा गठन

» सीएम योगी की कैबिनेट बैठक में 16 प्रस्तावों पर लगी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी कैबिनेट की बैठक आज लोक भवन में सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई। मंत्रिपरिषद की बैठक में आबकारी, स्वास्थ्य, पर्यटन समेत कई विभागों के 16 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी। डिफेंस कॉरिडोर की नई नीति को मंजूरी मिली है वहीं लखनऊ के कुकरैल में नाइट सफारी बनाने का निर्णय लिया गया।

ऊर्जा क्षेत्र में तीन निगम को मर्जर कर एक निगम बनेगा। उत्पादन जवाहर विद्युत निगम व जल विद्युत निगम लिमिटेड का

विलय करने का निर्णय लिया गया। इससे गुड गवर्नेंस के लिहाज से फायदा होगा। राज्य विद्युत वितरण निगम के नाम से नई कंपनी जानी जाएगी। लखनऊ के कुकरैल में जू स्थान्तरित होगा। लखनऊ के कुकरैल में नाइट सफारी बनेगी। वहीं इको टूरिज्म बोर्ड के गठन को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा डिफेंस कॉरिडोर की नई नीति मंजूर हो गयी है। नान बुंदेलखंड में निवेश करने पर 500 करोड़ का कैपिटल सब्सिडी मिलेगी। निवेश करने का समय भी 7 व 5 साल तय किया गया। प्रतापगढ़ में मंधाता नयी नगर पंचायत का गठन किया जाएगा। वहीं जौनपुर में नगर पालिका परिषद मुंगराबादशाहपुर का विस्तार किए जाने का निर्णय लिया गया। केंद्र के निर्देश पर जेल मैनुएल में बदलाव किया गया है। लॉकअप की व्यवस्था खत्म की गयी है। जेल चार श्रेणी में बंदियों की संख्या के आधार पर होगी। लखनऊ ललितपुर, गौतम बुद्ध नगर व आजमगढ़ जेल में कुख्यात अपराधी रखे जाएंगे।

हापुड़ जिला अदालत के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग

पेशी पर आए आरोपी की हत्या

» एक पुलिसकर्मी भी जख्मी हमलावर फरार, हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हापुड़ जिला कोर्ट के बाहर आज दिनदहाड़े फायरिंग से हड़कंप मच गया। हमलावरों ने पेशी पर आए एक आरोपी की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

हापुड़ जिला कचहरी के गेट पर बदमाशों ने हरियाणा से पुलिस कस्टडी में आये बदमाश लाखन सिंह उर्फ यशराज पुत्र मनिपाल निवासी गांव अनंगपुर फरीदाबाद पर पांच राउंड फायरिंग की। घायल बदमाश को पुलिस अस्पताल लेकर पहुंची जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी हापुड़ दीपक भूकर ने मौत की पुष्टि

की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हरियाणा पुलिस बदमाश को पेशी पर लेकर आई थी, जैसे ही हरियाणा पुलिस की गाड़ी कचहरी के गेट से 25 मीटर की दूरी पर रुकी। पैदल आए तीन से चार हमलावरों ने बदमाश को गोली मारी। बदमाश की मौत हो गई। हमलावरों की तलाश की जा रही है। गोली लगने से एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया है। मृतक कैदी 2019 में धौलाना क्षेत्र में हुई हत्या के आरोप में जेल में बंद था उसे आज हापुड़ कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था।

यूपी के युवा दूसरों को दे रहे नौकरी : सीएम योगी

» एक करोड़ 61 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर विधान भवन के समक्ष एक बार फिर रोजगार, नौकरी और युवाओं पर जोर देते हुए कहा कि युवा प्रदेश के विकास की रीढ़ हैं। सरकार प्रदेश के हर घर के युवाओं को नौकरी और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में जहां वर्ष 2016 में बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी। वहीं अप्रैल 2022 में घटकर 2.9 प्रतिशत पर सिमट गई है।

सरकार युवाओं के उज्जवल भविष्य को लेकर आशान्वित है, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और साथ ही स्वरोजगार से भी बड़े पैमाने पर जोड़ा जा रहा है। इसका असर ये हो रहा है कि प्रदेश का युवा आज खुद के रोजगार के साथ साथ दूसरे युवाओं के रोजगार की भी व्यवस्था कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि विगत 5 वर्षों में प्रदेश के पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं जबकि 1 करोड़ 61 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र के विभिन्न रोजगार उपलब्ध कराए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी-फरवरी 2023 को सरकार यूपी ग्लोबल इंवेस्टर समिट का आयोजन करने जा रही है, जिसकी तैयारी वृहद स्तर पर चल रही है। समिट में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। स्वतंत्रता दिवस पर सीएम योगी ने विधानसभा में झंडा फहराया। उनके साथ उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मौजूद थे।

फोटो: सुमित कुमार

संविधान को ध्यान में रखकर बढ़ना है आगे : अखिलेश

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस की 75वें वर्षगांठ के मौके पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में तिरंगा फहराया। इस दौरान उन्होंने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। अखिलेश यादव ने कहा कि जहां सारा देश स्वतंत्रता दिवस मना है। वहीं इसके सामने चुनौतियां भी हैं। देश के आगे महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या सामने है, लेकिन सत्ता में बैठी सरकारें अपने हित के लिए इन विषयों पर ध्यान देने के बजाय हिंदू-मुसलमान में बांटने का काम कर रही हैं। लोगों को इनकी मंशा से सावधान रहना चाहिए। आज जनता बेरोजगारी और महंगाई से त्रस्त हो गई है। पूर्व सीएम ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लाल किले पर खड़े होकर संकल्प लेते हैं वे उससे पूरा करने की भी कोशिश करें। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग जाति और धर्म के आधार पर वोटों की राजनीति कर रहे हैं। इससे वे देश को बर्बाद करने का काम कर रहे हैं।

सुख-शांति व समृद्धि के लिए संघर्ष जारी रखें : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों से ट्वीट कर कहा कि देश-दुनिया में रहने वाले समस्त भारतीयों को आजादी की 75वीं वर्षगांठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सभी की सुख-शान्ति, समृद्धि व सुरक्षा के लिए अपनी संवैधानिक चिंता, संघर्ष व योगदान को जरूर जारी रखें। इसी में ही देश व देशवासियों की इज्जत, शोहरत व बुलंदी निहित है। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर आंकलन का भी मौका है कि इस दौरान देश ने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शिक्षा व स्वास्थ्य आदि बुनियादी जरूरतों के क्षेत्र में कितनी अच्छी व सार्थक उन्नति की व साथ ही आगे निजी स्वार्थ व राजनीतिक संकीर्णता आदि से मुक्त होकर काम करने का प्रण करें।

सेंट पॉल कॉलेज में मेधावियों का सम्मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस पर दिलकुशा स्थित सेंट पॉल कॉलेज में झंडा रोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि मेजर जनरल ह्रदेश साहनी, डिप्टी कमांडेंट तथा मुख्य अनुदेशक आर्मी मेडिकल कॉर्प की उपस्थिति रही। वहीं मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह सेंट पॉल्स एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य फादर क्लिफोर्ड लोबो ने अपने आभार संदेश में स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी और बच्चों को मेहनत और लगन से कार्य करने पर प्रेरित किया।

महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में झंडारोहण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना में स्वतंत्रता दिवस पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता द्वारा झंडारोहण किया गया तथा राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई। राष्ट्रगान के पश्चात निदेशक, उच्च शिक्षा के संदेश को डॉ. सनोबर हैदर, प्रवक्ता-इतिहास के द्वारा समस्त छात्र-छात्राओं को पढ़कर सुनाया गया। इस दौरान छात्राओं ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में झंडा गीत का स्वस्वर गान किया। अंत में प्राचार्या प्रो. सुमन गुप्ता ने स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का महत्व बताते हुए छात्र/छात्राओं को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश व उसकी स्वतंत्रता को संरक्षित करने का आह्वान किया। इस मौके पर छात्र/ छात्राओं ने भाषण, गीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान महाविद्यालय से किला चौराहे तक प्रभात फेरी निकाली गई। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. एस.के. चौहान व कर्मचारीगण ने प्रतिभाग कर रैली को सफल बनाया।

संजय ये चीखने की आवाज़ किसकी आ रही है.....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

दुनिया में बढ़ा भारत का सम्मान : महाना

» विधानसभा अध्यक्ष ने डेनमार्क के कोपेन हेगेन में फहराया तिरंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुनिया के कोने-कोने में मौजूद भारतीयों ने भी आजादी के अमृत महोत्सव के तहत अपने-अपने ढंग से स्वतंत्रता दिवस की खुशियों का इजहार किया। इस बीच डेनमार्क की राजधानी कोपेन हेगन में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। वहां यूपी के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने तिरंगा फहराया और कहा कि देश को ऐसे सभी प्रवासी भारतीयों पर गर्व है, जिनके कारण विश्व में भारत का नाम बेहद सम्मान से लिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप भारत कुछ सालों बाद दुनिया में विश्व गुरु कहलाएगा। कोपेन हेगेन में भारतीय राजदूत पूजा कपूर की उपस्थिति में प्रवासी भारतीयों के साथ आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने तिरंगा फहराया। उन्होंने इस मौके पर प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हमारा भारत लगातार उन्नति के रास्ते पर दिन दूनी रात चौगुनी आगे बढ़ रहा है। साथ ही प्रवासी भारतीयों का भी सम्मान बढ़ा है। उन्होंने उपस्थिति प्रवासी भारतीयों से अपेक्षा की कि आप लोग ऐसा काम करें, जिससे अपने देश का नाम ऊंचा हो सके और दुनिया में हम सबकी बेहतर छवि बने।

भाजपा को उसी के दांव से चित करने में जुटी सपा, राष्ट्रवाद को दे रही धार

- तिरंगा के जरिए घर-घर बनाई अपनी पहुंच
- बूथों को मजबूत करने पर दे रही हैं जोर
- जातीय और क्षेत्रीय समीकरण पर भी फोकस
- कार्यकर्ता और पदाधिकारी गांवों में सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव और आजमगढ़ व रामपुर लोक सभा उपचुनाव में करारी शिकस्त के बाद अब सपा पूरी तरह लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुट गयी है। इसी के तहत सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आदेश पर अब सपाई राष्ट्रवाद को धार देने में जुट गए हैं। तिरंगा के जरिए सपा ने अपनी पहुंच हर घर तक बनाने में जुटी है। और तो और बूथों को मजबूत करने पर भी सपाई जोर दे रहे हैं।

जातीय और क्षेत्रीय समीकरण मजबूत करने पर भी कार्यकर्ता और पदाधिकारी फोकस कर रहे हैं यानी सपा अब भाजपा को उसी के दांव से चित करेगी। बता दें कि पूर्वांचल में सपा का गढ़ माने जाने वाले आजमगढ़ के जनप्रतिनिधियों और निवर्तमान पदाधिकारियों के साथ सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने पिछले दिनों लखनऊ में बैठक की थी। निर्णय लिया गया कि आजमगढ़ में लोक सभा चुनाव का वार रूम बनाया जाए। अखिलेश ने कहा था कि आजमगढ़ में पार्टी का विशाल कार्यालय बनाकर वहां से संगठन को नई दिशा दी जाएगी। संकेत दिया कि लोक सभा चुनाव में पूर्वांचल फतह के लिए पार्टी का वार रूम यहीं होगा। पदाधिकारियों के अनुसार सपा ने संगठन के नाम से 22 जनवरी, 2021 को आजमगढ़ में मंदुरी एयरपोर्ट के समीप महाराजपुर में साढ़े छह करोड़ रुपये से 38 बिस्वा भूमि खरीदी थी। अब यहां अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त कार्यालय बनाने की योजना है। उपचुनाव में मिली हार के कारणों पर देर तक चले मंथन के बाद वर्ष 2024 के चुनाव की तैयारियों की रणनीति बनी। लोक सभा चुनाव में पार्टी किस तरह पूर्वांचल फतह करे इस पर विमर्श हुआ। बैठक में निकलकर सामने आया कि सपा अब राष्ट्रवाद पर धार देगी। भाजपा को उसी के मुद्दे से घेरेगी।

हर बूथ पर 50 नए सदस्य बनाएं

प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने कहा कि हर बूथ पर 50 नए सदस्य बनाएं। गांव-गांव तक लोगों को बताएं कि सरकार किस तरह आम जनता को परेशान करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। इसके अलावा क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों पर भी सपा प्रमुख ने फोकस बनाए रखा है। जाहिर है लोक सभा चुनाव के दौरान प्रत्याशियों के चयन में यह दिखायी पड़ेगा।

चलाया गया तिरंगा अभियान

भाजपा सरकार ने जहां देश भर में हर घर तिरंगा के अभियान को जोर दिया है। वहीं इसकी काट के लिए सपा ने भी अपने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की थी। विपक्षी दलों में सपा पहली पार्टी है जो इस मुहिम में खुल कर समर्थन में आई थी जबकि बाकी विपक्षी दलों ने इस पर अभी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया था। सपा ने बकायदा निर्देश जारी किए थे कि सभी कार्यकर्ता 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरा दें। पार्टी का कहना है कि भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा को 2024 के चुनाव के लिए मजबूत करने में जुटे अखिलेश यादव अब राष्ट्रवाद के सवाल पर खुद को उसके बड़े पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहते हैं।

पार्टी बदल रही रणनीति

सापट हिंदुत्व का मुद्दा सपा पहले ही अपना चुकी है। कृष्ण मंदिर, हनुमान भक्त व परशुराम की मूर्हिम आदि मुद्दों पर अखिलेश हिंदुत्व की बात करते हैं। हालांकि विधान सभा चुनाव में पार्टी को इसका लाभ नहीं मिला। अखिलेश की हाल में रुद्राभिषेक करते हुए फोटो भी वायरल हुई थी। सपा सापट हिंदुत्व पर आगे बढ़ते हुए अब राष्ट्रवाद पर मुखर होकर भाजपा का मुकाबला करना चाहती है। हालांकि सपा को चुनाव में मुस्लिमों के बड़े वर्ग का समर्थन मिला लेकिन वह सत्ता से दूर ही रही। अब पार्टी रणनीति बदलती दिख रही है।

लोक सभा चुनाव : पश्चिमी यूपी में सियासी समीकरण को साधने की तैयारी में भाजपा

- 2019 के आम चुनाव में यहां कमजोर साबित हुई थी भाजपा
- जमीनी स्तर पर संगठन को धार देने की बनायी गयी रणनीति

गीताश्री

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा अभी से लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। उसका सबसे अधिक ध्यान पश्चिमी यूपी के अपने सबसे कमजोर दुर्ग को साधने पर टिक गया है। पार्टी नेतृत्व अभी से यहां जमीनी स्तर पर संगठन को धार देने की रणनीति पर काम कर रहा है। इस बार भाजपा यहां कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

भाजपा ने लोक सभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीटें जीतने का टारगेट रखा है। इसके लिए उसने अभी से जमीनी स्तर पर काम करना शुरू कर दिया है। वह अपने राजनीतिक समीकरण को पश्चिमी यूपी से दुरुस्त करने की कवायद कर रही है, जहां 2019 लोक सभा चुनाव में वह कमजोर साबित हुई थी। भाजपा मिशन-2024 के लिए शक्ति केंद्र बना रही है, जिसके जरिए ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं तक पहुंचा जा सके। भाजपा के पश्चिमी यूपी में 330 मंडल जबकि 4750 सेक्टर हैं। इन 4750 सेक्टर को शक्ति केंद्रों के रूप में विकसित करने में भाजपा जुटी है। पश्चिमी यूपी में करीब 30,000 बूथ हैं। लोक सभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों को 100-100 बूथों पर जाकर केंद्र और राज्य सरकार योजनाओं के लाभार्थियों से फीडबैक लेने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए उन बूथों को सबसे पहले फोकस किया जा रहा है, जहां पर 2019 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कम वोट मिला हैं। वेस्ट यूपी में सहारनपुर से लेकर मुरादाबाद और रामपुर तक का इलाका है। 2019 और 2022 के चुनाव में भाजपा को इसी बेल्ट में सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में भाजपा अपने शक्ति केंद्र को पीएम मोदी के मन की बात के आयोजन से लेकर सरकारी योजनाओं के फीडबैक लेने और आम लोगों से संवाद कर पार्टी के लिए माहौल बनाने का जरिया रहा है। 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा को पश्चिमी यूपी की सहारनपुर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, संभल, मुरादाबाद, रामपुर सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में भाजपा पश्चिमी यूपी इन लोक सभा सीटों पर अपना ध्यान पूरी तरह से केंद्रित किया है।

उपचुनाव में मिली जीत से बढ़ा हौसला

रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा सीटें उपचुनाव में जीतने के बाद भाजपा के हौसले बुलंद है, जिसके चलते पार्टी ने पश्चिमी यूपी में जमीनी स्तर पर अपनी सक्रियता अभी से बढ़ा दी है।

संगठन में भी बढ़ाया कद

2024 के लोक सभा चुनाव की पुख्ता तैयारियों के लिए उत्तर प्रदेश में कई अहम फैसले कर रही है। यूपी भाजपा की प्लानिंग का ही नतीजा है कि सरकार के बाद पार्टी संगठन ने भी पश्चिमी यूपी का कद बढ़ाया गया है। बिजनौर से आने वाले धर्मपाल सिंह को प्रदेश महामंत्री संगठन जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति की गई। देखा जाए तो अभी तक बिजनौर जिला भाजपा महत्वपूर्ण पदों से अछूता था।

इन पर फोकस

भाजपा शक्ति केंद्रों के जरिए किसानों, युवाओं और महिलाओं पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके लिए हाल ही में मेरठ जिले के हस्तिनापुर में किसान मोर्चा की तीन दिवसीय प्रशिक्षण और आगरा में युवा मोर्चा की तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सूबे पर दोनों ही फ्रंट के नेता एकजुट हुए थे, जिसमें उन्हें तीन दिन तक वरिष्ठ नेताओं ने ट्रेनिंग दी है। सूत्रों का कहना है कि संगठन में बनाए गए सेक्टरों को सत्ता केंद्र बनाकर निगरानी की जिम्मेदारी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को सौंपी गई है। अभी तक पार्टी के अंतिम कार्यकर्ताओं तक पहुंचने के लिए मंडल स्तर को सक्रिय रखा गया था लेकिन 2024 के टारगेट को देखते हुए सियासी गतिविधियों के लिए मंडल स्तर के बजाय सेक्टर स्तर को शक्ति केंद्र बनाया जा रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कमजोर मानसून और खाद्यान्न संकट

वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच देश में कमजोर मानसून ने चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण अब तक 274.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलों की बुवाई हुई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 13 फीसदी कम है। इसका सीधा असर चावल उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

वैश्विक खाद्यान्न संकट के बीच देश में कमजोर मानसून ने चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण अब तक 274.30 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में खरीफ फसलों की बुवाई हुई है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 13 फीसदी कम है। इसका सीधा असर चावल उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उत्पादन कम होने से एक ओर किसानों की आय प्रभावित होगी तो दूसरी ओर देश के खाद्यान्न भंडार पर भी इसका असर पड़ेगा। सवाल यह है कि मानसून के उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए सरकार ने अभी तक कोई ठोस रणनीति क्यों नहीं बनायी? किसानों को मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? किसानों को कृषि विविधिकरण तकनीकी अपनाने के लिए जागरूक क्यों नहीं किया जा रहा है? सरकार आज तक सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं कर सकी है? क्या जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून में उतार-चढ़ाव आ रहे हैं? क्या खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए सरकार ने कोई ठोस रणनीति बनायी है?

भारत कृषि प्रधान देश है और आज भी यहां की खेती बहुत कुछ मानसून पर निर्भर रहती है। इस बार पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना आदि में मानसून कमजोर रहा है। पर्याप्त बारिश न होने के कारण खरीफ की प्रमुख फसल चावल के उत्पादक इन राज्यों में बुआई प्रभावित हुई है। यहां धान की रोपाई का क्षेत्रफल घटा है। इसका सीधा असर चावल और अन्य खरीफ की फसलों पर पड़ेगा। उम्मीद थी कि बेहतर मानसून महंगाई से लोगों को राहत देगा लेकिन अब इसकी संभावना भी लगभग समाप्त होती दिख रही है। उत्पादन कम होने के कारण किसानों की आय भी प्रभावित होगी और छोटे किसान तो बर्बादी की कगार पर पहुंच गए हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण विश्व में खाद्यान्न का संकट है। खाद्यान्न संकट को देखते हुए सरकार ने पिछले दिनों गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब ऐसी ही स्थिति फिर उत्पन्न होती दिख रही है। यदि अतिरिक्त उत्पादन नहीं हुआ तो चावल निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है क्योंकि अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। वहीं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत भी राशन मुहैया कराया जा रहा है। जाहिर है यदि मानसून के उतार-चढ़ाव से फसलों को बचाना है तो सरकार को मानसून से निपटने के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी। सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था करने के साथ किसानों को फसलों के विविधिकरण के लिए प्रोत्साहित करना होगा। साथ ही किसानों को मौसम की सटीक जानकारी भी उपलब्ध करानी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रुपये की मजबूती को रणनीतिक पहल जरूरी

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद अब चीन-ताइवान युद्ध व वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाओं के बीच इस समय डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में गिरावट दिखाई दे रही है। 8 अगस्त को एक डॉलर की कीमत 79.65 के स्तर पर पहुंच गई है। साथ ही रुपये में और नरमी की आशंकाएं हैं। इससे जहां भारतीय अर्थव्यवस्था की मुश्किलें बढ़ रही हैं, वहीं आर्थिक विकास योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इतना ही नहीं, असहनीय महंगाई से जूझ रहे आम आदमी की चिंताएं और बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। वस्तुत: डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने का प्रमुख कारण बाजार में रुपये की तुलना में डॉलर की मांग बहुत ज्यादा हो जाना है। 2022 की शुरुआत से ही संस्थागत विदेशी निवेशक (एफआईआई) बड़ी संख्या में भारतीय बाजारों से पैसा निकाल रहे हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा अमेरिका में ब्याज दरें बहुत तेजी से बढ़ाई जा रही हैं।

दुनिया के कई विकसित देशों द्वारा भी ब्याज दरें तेजी से बढ़ाई जा रही हैं। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने भी 4 अगस्त को 27 साल बाद सबसे अधिक ब्याज दर बढ़ाई है। ऐसे में भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक निवेशक अमेरिका सहित अन्य विकसित देशों में अपने निवेश को ज्यादा लाभप्रद और सुरक्षित मानते हुए भारत की जगह अमेरिका व विकसित देशों में निवेश को प्राथमिकता दे रहे हैं। जनवरी से जुलाई 2022 के बीच एफआईआई ने भारत के शेयर बाजार से करीब 30 अरब डॉलर खींच लिए लेकिन अगस्त 2022 की शुरुआत में एफआईआई फिर से सतर्कतापूर्वक वापसी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दुनिया का करीब 85 फीसदी व्यापार डॉलर की मदद से होता है। साथ ही दुनिया के 39 फीसदी कर्ज डॉलर में दिए जाते हैं। इसके अलावा कुल डॉलर का करीब 65 फीसदी उपयोग अमेरिका के बाहर होता है। चूंकि भारत अपनी क्रूड ऑयल की करीब 80-85 फीसदी जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है, ऐसे में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर कच्चे तेल और अन्य कमोडिटीज की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से भारत को अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। साथ ही देश में कोयला, उर्वरक, वनस्पति तेल, दवाई के कच्चे माल, केमिकल्स आदि का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है, ऐसे में डॉलर की जरूरत और ज्यादा बढ़ गई है। एसबीआई की इको रैप रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2022-23 के अप्रैल से जुलाई के चार महीनों में भारत का

व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने माना है कि दिसंबर 2014 से अब तक देश की मुद्रा 25 प्रतिशत तक गिर चुकी है। फिर भी अन्य कई विदेशी मुद्राओं की तुलना में रुपये की स्थिति बेहतर है। रुपया ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो जैसी कई विदेशी मुद्राओं की तुलना में मजबूत हुआ है। रुपये की संतोषप्रद स्थिति का कारण भारत में राजनीतिक स्थिरता, भारत से बढ़ते निर्यात, विकास दर, खाद्यान्न भंडार और उपभोक्ता मांग है। फिर भी रिजर्व बैंक ने रुपये में तेज उतार-चढ़ाव और अस्थिरता को कम करने के लिए यथोचित कदम उठाए हैं। देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 571 अरब डॉलर रह गया है। अब आरबीआई ने विदेशी मुद्रा का प्रवाह देश की ओर बढ़ाने और रुपये में गिरावट को थामने, सरकारी बांड में विदेशी निवेश के मानदंड को उदार बनाने और कंपनियों के लिए विदेशी उधार सीमा में वृद्धि सहित कई उपायों की घोषणा की है।

इन उपायों से एफआईआई पर अनुकूल असर पड़ा है और उनकी कुछ वापसी भी देखी जा रही है लेकिन इस समय डॉलर के खर्च में कमी और डॉलर की आवक बढ़ाने के रणनीतिक उपाय जरूरी हैं। अब रुपये में वैश्विक कारोबार बढ़ाने के मौके को हाथ में लेना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत व अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी निर्णय से जहां भारतीय निर्यातकों और आयातकों को अब व्यापार के लिए डॉलर की अनिवार्यता नहीं रहेगी वहीं दुनिया का कोई भी देश भारत से सीधे बिना डॉलर के व्यापार कर सकता है। डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान सहित एशिया और अफ्रीका जैसे देशों के साथ भारत का व्यापार तेजी से बढ़ेगा। इससे भारत का व्यापार घाटा कम होगा और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ेगा। इस समय जब दुनिया रूस और अमेरिकी-यूरोपीय कैम्प में बंटती हुई दिखाई दे रही है, तब भारत को अपनी वैश्विक स्वीकार्यता के मद्देनजर दोनों ही कैम्पों के विभिन्न देशों में विदेश व्यापार बढ़ाने की संभावनाओं को मुट्ठी में लेना होगा। इससे देश की आर्थिक मुश्किलें कम होंगी एवं लोगों की महंगाई की पीड़ा भी कम होगी।

ताइवान पर तकरार के मायने

अनिल त्रिगुणायत

चीन और ताइवान का मसला कई दशक पुराना है। वर्ष 1949 में माओ त्से-तुंग से हार कर च्यांग काई शेक ने ताइवान में अपनी सत्ता स्थापित की थी। चीन का इस क्षेत्र पर हमेशा से दावा रहा है पर ताइवान को लंबे समय तक अमेरिका समेत पश्चिम का समर्थन रहा। सत्तर के दशक के शुरू में अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के प्रयासों से चीन को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जोड़ा गया और अमेरिका व चीन के बीच संबंधों का नया दौर प्रारंभ हुआ। तब अमेरिका ने वन चाइना पॉलिसी को अपनाया लेकिन 1979 में अमेरिकी कांग्रेस ने एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसे अमेरिका-ताइवान संबंध समझौता कहा जाता है। इसके तहत यह प्रावधान है कि ताइवान की सुरक्षा के लिए अमेरिका हर तरह से सहयोग मुहैया करायेगा पर यह स्पष्ट नहीं था कि आवश्यकता पड़ने पर ताइवान के लिए अमेरिका चीन से लड़ने आयेगा।

तब ऐसी स्थिति की आशा भी नहीं थी क्योंकि चीन कमजोर था लेकिन चीन पिछले कुछ समय से अमेरिका की वैश्विक प्रधानता को चुनौती देने का प्रयास कर रहा है। इसे अमेरिका ने गंभीरता से लिया है और उसका पूरा ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर केंद्रित हो रहा है ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को रोका जा सके। इन परिस्थितियों के बावजूद अमेरिका किसी तरह के संघर्ष के पक्ष में नहीं है। चीन भी ऐसा नहीं चाहता है। ताइवान का मुद्दा चीन के लिए रेड लाइन है और इस पर किसी तरह का समझौता नहीं कर सकता है इसीलिए जब भी ताइवान में अमेरिका से कोई उच्चस्तरीय यात्रा होती है, चीन की प्रतिक्रिया आवेगपूर्ण होती है। जब से रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ है, अमेरिका की यह कोशिश रही है कि चीन रूस को हथियारों की आपूर्ति न कर सके। चीन भी कहता रहा है कि वह रूस को सैन्य सहयोग नहीं दे रहा है।

इस तरह अमेरिका और चीन के बीच इस मामले पर एक तरह की सहमति चली आ रही है। ऐसे में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की यात्रा ने वर्तमान समीकरण में हलचल पैदा कर दी है। वे हमेशा से चीनी नीतियों का विरोध करती रही हैं। उन्होंने थियानमन स्कवेयर आंदोलन को भी समर्थन दिया था। वे पहले भी ताइवान की यात्रा कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने खुले तौर पर कभी भी ताइवान की स्वतंत्रता की मांग नहीं की है लेकिन इस समय चीन बेहद नाराज है क्योंकि उसे लगता है कि उसको चारों ओर से घेरने की कोशिश हो रही है। चीन अभी दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था है इसलिए वह अमेरिका से बराबरी के साथ बातचीत करना चाहता है। अमेरिका भी अभी यह नहीं चाहता था कि स्थिति बिगड़े क्योंकि जल्दी ही जी-20 समेत कुछ अहम बैठकें होनी हैं। जब पेलोसी ने अपने एशिया दौरे की घोषणा की थी और उसमें ताइवान जाने की बात थी, तो मेरा मानना है कि उसमें बाइडेन प्रशासन से विचार-विमर्श नहीं किया गया था। बाइडेन प्रशासन की ओर से जो बयान आये उनमें कहा गया कि पेलोसी हाउस स्पीकर हैं और वे कहीं भी जा सकती हैं, उसमें प्रशासन कुछ नहीं कर सकता है। अमेरिकी सत्ता में हाउस स्पीकर का पद राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के बाद तीसरे स्थान पर आता है। चीन ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि उसे यह यात्रा स्वीकार्य नहीं है। इसमें पेलोसी के चीन विरोध का इतिहास भी एक कारक था।

कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लंबी टेलीफोन वार्ता हुई थी तो उसमें भी इस दौरे पर बातचीत हुई थी और राष्ट्रपति शी ने तो यहां तक कह दिया था कि आग से खेलना ठीक नहीं होगा। गौरतलब है कि जब चार देशों का पेलोसी का कार्यक्रम प्रकाशित हुआ, उसमें ताइवान का नाम नहीं था, लेकिन जब कोई महाशक्ति ऐसी घोषणा कर देता है तो उसका पीछे हटना बहुत मुश्किल होता है। अब सवाल यह है कि क्या पेलोसी की यात्रा से विश्व शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए कोई लाभ हुआ तो इसका उत्तर नकारात्मक है। यह एक नया मोर्चा खोलने की तैयारी जैसा है। एक तो ताइवान पर चीन का पुराना दावा है और उस पर वह सैन्य कार्रवाई कर कब्जा भी कर सकता है, यह उसके संविधान में लिखा हुआ है। मुझे लगता है कि पेलोसी का दौरा अमेरिका की घरेलू राजनीति की विवशताओं और वैश्विक राजनीतिक स्थिति को ठीक से नहीं समझने का परिणाम है। चीन ने सैन्य अभ्यास की घोषणा भी यह सोच कर की थी कि शायद अमेरिका इस दौरे पर पुनर्विचार करेगा। बहरहाल, यह अभ्यास ताइवान को एक सबक सिखाने के इरादे से भी प्रेरित है। इसके साथ ही ताइवान पर कुछ आर्थिक प्रतिबंध भी लगाये गये हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध का असर हम देख रहे हैं और अगर एक और मोर्चा खुल जाता है तो यह बेहद बुरा होगा। जहां तक भारत का सवाल है तो भारत समेत क्वाड के सदस्य देश चाहते हैं कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्रता के साथ सामुद्रिक आवागमन सुनिश्चित हो और चीन या कोई और देश उसमें बाधा न उत्पन्न करे। चीन अभी ताइवान पर कब्जा नहीं करना चाहता था क्योंकि वहां से उसका अच्छा व्यापार होने के साथ अहम तकनीकी आपूर्ति होती है तथा बड़ी मात्रा में वित्तीय निवेश भी होता है। चीन का हित इसी में है कि ताइवान के संदर्भ में यथास्थिति बनी रहे। भारत अभी तक वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता रहा है, पर ताइवान के साथ भी भारत के संबंध विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते जा रहे हैं। अगर चीन चाहता है कि भारत वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता रहे तो उसे भी भारत की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करना होगा।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी

आधी रात को अवतरित होंगे कान्हा

श्री कृष्ण जन्माष्टमी भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में अर्द्धरात्रि को मथुरा में हुआ था। भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में यह त्योहार हर साल पूरे देश में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन भक्त व्रती रहकर पूरे नियम और संयम से भगवान की पूजा-अर्चना करते हैं। इस बार जन्माष्टमी 18 अगस्त के दिन ध्रुव और वृद्धि योग का निर्माण भी हो रहा है। 18 अगस्त की रात में 8 बजकर 42 तक वृद्धि योग रहेगा। इसके बाद ध्रुव योग शुरू होगा, जो 19 अगस्त को रात 8 बजकर 59 मिनट तक रहने वाला है। हिंदू धर्म में ये योग बेहद खास माने गए हैं। इस योग में किए गए कार्यों का परिणाम शुभ होता है।

शुभ मुहूर्त

अष्टमी तिथि प्रारम्भ –अगस्त 18, 2022 को 09:20 पी एम बजे। **अष्टमी तिथि समाप्त** – अगस्त 19, 2022 को 10:59 पी एम बजे। **रोहिणी नक्षत्र प्रारम्भ** – अगस्त 20, 2022 को 01: 53 ए एम बजे। **रोहिणी नक्षत्र समाप्त** – अगस्त 21, 2022 को 04:40 ए एम बजे।

18 व 19 अगस्त के पूजन मुहूर्त

कृष्ण जन्माष्टमी बृहस्पतिवार, अगस्त 18, 2022 को **निशिता पूजा का समय** – 12:03 ए एम से 12:47 ए एम, **अगस्त 19 अवधि** – 00 घण्टे 44 मिनट्स कृष्ण जन्माष्टमी शुक्रवार, अगस्त 19, 2022 को **निशिता पूजा का समय** – 12: 03 ए एम से 12: 47 ए एम, **अगस्त 20 अवधि** – 00 घण्टे 44 मिनट्स

कब मनाया जाएगा जन्माष्टमी का पर्व

शास्त्रों के अनुसार, हिंदू धर्म में कोई भी त्योहार उदया तिथि में मनाने की भी परंपरा है। ऐसे में कुछ लोग जन्माष्टमी 18 अगस्त व कुछ लोग 19 अगस्त को मनाएंगे। जन्माष्टमी व्रत का पारण 19 अगस्त की रात 10 बजकर 59 मिनट के बाद ही करें।

अष्टमी तिथि

18 अगस्त को सप्तमी तिथि रात 09 बजकर 20 मिनट तक रहेगी। इसके बाद अष्टमी तिथि शुरू होगी, जो कि 19 अगस्त को रात 10 बजकर 59 मिनट तक रहेगी।

आधी रात को मनाया जाता है जन्माष्टमी का त्योहार

जन्माष्टमी का त्योहार अष्टमी तिथि के दिन रात 12 बजे मनाया जाता है। ऐसे में 18 अगस्त की रात जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाना चाहिए। कई लोगों का मानना है कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि के आठवें मुहूर्त में हुआ था जो कि 19 अगस्त को रहेगा।

कृष्ण जन्माष्टमी की पूजन विधि

जन्माष्टमी के दिन लोग एक दिन का उपवास रखते हैं। भगवान के जन्म के पश्चात व्रती जश्न मनाते हैं। इसके बाद लोग अपना व्रत तोड़ते हैं। पूजा मध्यरात्रि के बाद शुरू होती है, जब भगवान कृष्ण की प्रतिमा को स्नान कराया जाता है। इसके बाद प्रभु को नए वस्त्र पहनाकर पालने में बैठाया जाता है और भक्ति गीत गाकर उनकी पूजा की जाती है। भगवान को चूरन, फल, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ प्रसाद के रूप में चढ़ाए जाता है। इसके बाद भोग का प्रसाद ग्रहण कर व्रती अपना व्रत तोड़ते हैं।

हंसना मना है

पत्नी- ए जी, पिछली बार नए साल के मौके पर आपने लोहे की फोल्डिंग खाट गिफ्ट में दी थी, इस साल क्या दे रहे हैं? पति- उसी फोल्डिंग खाट में करेंट...।

मास्टर- बता ताजमहल किसने बनाया पप्पू- मिस्त्री ने मास्टर- अबे गधे मतलब किसने बनवाया पप्पू- ठेकेदार ने बनवाया होगा।

डॉक्टर ने मरीज को रोजाना 20 किलोमीटर चलने को कहा... सालभर बाद मरीज ने डॉक्टर को फोन किया। मरीज- सर रोज 20 किलोमीटर चलकर नेपाल पहुंच गया हूं, यही रुक जाऊ या आगे थाइलैंड निकल जाऊं? डॉक्टर को तुरंत आ गए चक्कर..।

एक बार एक लड़की भगवान से मन्नत मांगी... हे भगवान किसी समझदार लड़के को मेरा बॉयफ्रेंड बना दो भगवान बोले- अगर समझदार होगा तो वो इन सब लफड़ो में पड़ेगा ही नहीं जा बेटी घर जा।

पिताजी- बेटा, मेरे लिए 1 गिलास पानी लाना,पहला लड़का- नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का- रहने दो पापा, ये तो है ही बद्तमी? आप खुद ले लो और मेरे लिए भी 1 गिलास ले आना!

रोहन - क्या हुआ क्यों उदास बैठे हो? मोहन - कल एक न्यूज चैनल के एंकर ने कहा था। आइए हम आपको गोवा लेकर चलते हैं। तभी से तैयार बैठा हूं, कोई आया ही नहीं।

कहानी | विदेशी की मातृभाषा

एक बार अकबर के दरबार में एक विदेशी आया। उसने बादशाह अकबर के सामने एक चुनौती रखी, आप लोग मेरी मातृभाषा बताइए या फिर स्वीकार कर लीजिए कि आपके यहां सब मूर्ख हैं। दरबारियों ने उससे अलग-अलग भाषाओं में प्रश्न किए। हर भाषा में उसने सही उत्तर दिए। वह हर भाषा इतनी अच्छी तरह बोलता था कि जैसे वही उसकी मातृभाषा हो। इसलिए कोई भी दरबारी उसकी मातृभाषा का पता नहीं लगा सका। अंत में उसने अकबर बादशाह से कहा, मैं अपनी मातृभाषा मालूम करने के लिए आपको सात दिन का समय देता हूं। कहिए स्वीकार है? अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने इशारे से हामी भर दी। अकबर ने विदेशी से कहा, हमें आपकी बात स्वीकार है। विदेशी एक धर्मशाला में ठहरा दिया गया। रात को जब वह सो गया तो बीरबल वहां पहुंचे। बीरबल ने एक तिनका लेकर विदेशी के कान में घुमाया। विदेशी ने सिर झटका और कान पर हाथ फेरा। फिर वह करवट बदलकर सो गया। बीरबल ने उसके दूसरे कान में तिनका घुमाया। विदेशी घबराकर उठ बैठा और झल्लाते हुए बोला, अरे! कोण छे, मने ऊधमां हेरान करे दे? (कौन है रे? मुझे नींद में परेशान करता है)। विदेशी के कान में तिनका घुमाकर बीरबल छिप गये थे। इसलिए विदेशी उन्हें देख नहीं सका। वह फिर गहरी नींद में सो गया। बीरबल वहां से सीधे अपने घर आ गये। सातवें दिन विदेशी दरबार में हाजिर हुआ। बीरबल ने अलग-अलग भाषाओं में उससे बात की। फिर उसने अकबर से कहा,बादशाह सलामत! इन महाशय की मातृभाषा गुजराती है। यह सुनकर विदेशी आश्चर्य में पड़ गया। आज पहली बार कोई उसकी मातृभाषा का सही पता लगा पाया था। उसने बीरबल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और दरबार से जाने से पहले बोला, धन्य है भारतभूमि! जहां बीरबल जैसे बुद्धिमान बसते हैं। उसके जाने के बाद अकबर ने पूछा, बीरबल! इतना कठिन कार्य तुमने किया कैसे? जहांपनाह! बीरबल बोले, जब मनुष्य पर दुख पड़ता है या फिर वह अचानक नींद से जागता है, तब वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। इतना कहकर बीरबल ने रात की सारी घटना कह सुनायी। सभी ने बीरबल की प्रशंसा की। अकबर ने बीरबल को सहर्ष अपने गले का हार भेंट में देकर उसका सम्मान किया।

शिक्षा: जब आप चाहते हैं कि लोग आपको सच बताएं तो यह जरूरी है कि उन्हें बिना चौकसी के पकड़ना सच को सामने लाता है। हमें अपने बारे में अपने आस-पास के लोगों से कोई बात नहीं छिपानी चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो बिल्ली देर सवेर बैग से बाहर आ ही जाती है।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छे परिणाम देगा। कुछ मामूली झटकों के बावजूद आप अच्छी प्रगति करेंगे। आपको व्यवसाय में उत्कृष्ट परिणाम मिलेंगे। नौकरी की तलाश में हैं तो आपको सफलता मिलेगी।

वृषभ

आज आपके अच्छे व्यवहार से आसपास के लोग खुश रहेंगे। साथ ही आपकी अच्छी छवि निखर कर लोगों के सामने आयेगी। समाज में आपको उचित आदर-सम्मान मिलेगा।

मिथुन

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार में सुख-शांति रहेगी। आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी साबित होगा। व्यवसाय में नई विचारधारा अमल में लाएंगे।

कर्क

विदेशी व्यापार संबंधित सौदों के अंतिम रूप देने के लिए यात्रा की योजना फिर से शुरू होगी। आपको अपने विदेशी संपर्कों से लाभ प्राप्त होने की प्रबल संभावना है।

सिंह

आज आप धार्मिक स्थल के दर्शन के लिए जायेंगे। आपके मित्रों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। अचानक से कोई मददगार आपका अच्छा दोस्त बन सकता है।

कन्या

आज सूचनाओं का आदान प्रदान ब?गा. धर्म संस्कार को बल मिलेगा। भाग्य की प्रबलता बनी रहेगी। प्रवास और स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा। राजनीति से जुड़े जातकों के लिए समय सफलता लिए है।

तुला

आज का दिन आपको चौतरफा खुशी दे सकता है। व्यावसायिक रूप से आप सक्रिय और सतर्क रहेंगे। ज्ञान और जानकारी इकट्ठा करने के संदर्भ में अच्छी प्रगति करेंगे।

वृश्चिक

आज नौकरीपेशा लोगों को नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। आगे चलकर ये प्रोजेक्ट आपको फायदा दिलायेगा। इस राशि के साइंस स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है।

धनु

काम पर फोकस करने की जिम्मेदारी मिलेगी, इसे हाथ से जाने न दें। आज के दिन घटनाएं अच्छी तो होंगी, लेकिन तनाव भी देंगी, जिसके चलते आप थकान और दुविधा महसूस करेंगे।

मकर

कार्य सुगमता से आगे बढ़ेंगे और स्थितियां आपके पक्ष में होंगी। लेखन, साहित्य, कला, संगीत, सिनेमा, टीवी आदि से जुड़े लोग अपनी प्रतिभा से पहचान बनाएंगे। दुविधा महसूस करेंगे।

कुम्भ

आज आपको तरक्की के कुछ नये साधन मिलेंगे। आपको बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। घर पर छोटी-सी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

मीन

आज आपकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से हो सकती है जो आपको अपनी सोच बदलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। भविष्य को लेकर जो आशंका है, उस पर अपने दोस्तों से बात करें।

बॉलीवुड | मन की बात

राहुल देव से शादी पर मुग्धा गोडसे बोलीं, हम लिव-इन में बहुत खुश हैं

मुग्धा गोडसे इन दिनों फिल्म खेला होबे को लेकर सुर्खियों में हैं। आपको बता दें मुग्धा ने अब तक बड़े स्क्रीन पर कई किरदार निभाए है और अब वह फिल्म खेला होबे में एक राजनीतिक ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनी है जिनमे वह लीड भूमिका निभाती नजर आएंगी। अभिनेत्री की माने तो इस फिल्म में उनका किरदार देखने लायक है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने अपने करियर और पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें शेयर की। वे कहती हैं कि इस फिल्म की सबसे अच्छी बात इसकी कहानी है। मैंने जब पहली बार इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी तब यकीन मानिए ये मुझे बहुत अलग लगी थी। इस फिल्म में मैं एक पॉलिटिशियन का किरदार निभा रही हूं, जो अपने करियर में सभी बाधाओं से लड़ती है और लोगों का दिल जीतने में कामयाब होती है, लेकिन अपनी लाइफ की सबसे इंपार्टेंट चीज खो देती है। इस फिल्म की कहानी अलग है और साथ ही इस फिल्म के जरिए ऑडियंस के लिए गहरा संदेश भी है। हमें इसकी शूटिंग में काफी समय लगा और मुझे संतुष्टि है कि आखिरकार अब ये फिल्म रिलीज होने जा रही है। सच कहूं तो मैं एक्साइटेड भी हूं, लेकिन नर्वसनेस भी काफी हो रही है। मुग्धा का इंडस्ट्री में 20 सालों तक सफल करियर रहा है। उन्होंने एक मॉडल के रूप में अपने करियर की शुरुआत की थी। मुग्धा ने फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले 6-7 साल तक बतौर मॉडल काम किया। बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि उनका करियर काफी प्रगतिशील रहा है और वो अपने करियर के ग्राफ से काफी खुश हैं। इस बारे में आगे बात करते हुए वो कहती हैं कि मैं अपने करियर के उस फेज में हूं, जहां मुझे बैक-टू-बैक काम मिल रहा है।

सिद्धार्थ और कियारा ने किया अपने रिलेशनशिप का ऐलान

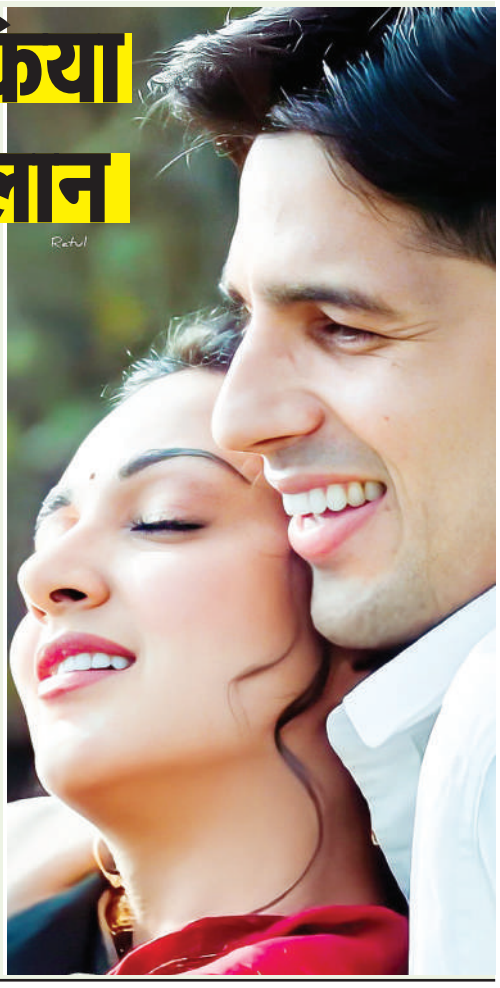

सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहते हैं। सिर्फ ऑनलाइन ही नहीं ऑफस्क्रीन भी दर्शकों को इनकी कैमिस्ट्री काफी पसंद आती है। कहा जाता है कि दोनों रिलेशनशिप में हैं लेकिन आधिकारिक तौर पर दोनों में से किसी ने भी इस रिश्ते पर हामी नहीं भरी है। हालांकि इस बीच सिद्धार्थ और कियारा ने कुछ ऐसा किया जिससे एक बार फिर दोनों को लेकर खबरों का बाजार गर्म है। दरअसल बीते दिन (12 अगस्त) फिल्म शेरशाह को एक साल पूरा हुआ। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ ही कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी और दर्शकों ने इसे खूब पसंद किया था। फिल्म के एक साल पूरे होने पर सिद्धार्थ-कियारा ने लाइव किया और फैन्स और फिल्म पर खूब बातें कीं। सिद्धार्थ और कियारा को देखकर ऐसा लग रहा था कि दोनों अलग अलग जगहों से लाइव कर रहे हैं, लेकिन लाइव के अंत में सिद्धार्थ उठकर कियारा के पास गए

बॉलीवुड | मसाला

तो समझ आया कि दोनों साथ ही थे। वहीं कपल ने एक प्यारा सा वीडियो भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इंस्टा लाइव में सिद्धार्थ और कियारा का एक साथ फैन्स के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं रहा। इस वीडियो के चंक सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसे फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं एक बार फिर सिद्धार्थ और कियारा के रिलेशनशिप की खबरें तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया यूजर्स इस वीडियो पर खूब रिएक्ट कर रहे हैं और पसंद कर रहे हैं। याद दिला दें कि कुछ वक्त पहले कपल के ब्रेकअप की खबरें सामने आई थीं। हालांकि इसके बाद कियारा के बर्थडे पर दोनों साथ दिखे थे। शेरशाह, अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स ने पसंद किया था। फिल्म में सिद्धार्थ ने शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा का किरदार निभाया था और कियारा ने उनकी लेडी लव डिंपल का कैरेक्टर प्ले किया था। फिल्म में सिद्धार्थ और कियारा की जोड़ी को फैन्स ने खूब पसंद किया था।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा को मिली नई दयाबेन

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के फैंस बहुत लम्बे समय से शो में दयाबेन के वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। अब हाल ही में खबरें आ रही हैं कि दयाबेन के किरदार के लिए मेकर्स ने रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काजल पिसल शो में दयाबेन के रोल में नजर आएंगी। पिछले कुछ महीनों से शो के मेकर्स दिशा वकानी का रिप्लेसमेंट ढूंढ रहे थे। इस रोल के लिए ऐश्वर्या सखुजा और राखी विजन जैसी कई एक्ट्रेसेस का नाम सामने आया था। हालांकि, किसी का नाम कंफर्म नहीं हो पाया था।

दिशा वकानी की जगह काजल पिसल ले सकती हैं शो में एंट्री!

बॉम्बे टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, काजल पिसल शो में दिशा वकानी की जगह ले सकती हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में दयाबेन के लिए मेकर्स एक्ट्रेस के नाम पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर काजल का नाम रोल के लिए फाइनल कर लिया जाता है, तो एक्ट्रेस अगले महीने से ही शो की शूटिंग शुरू कर देंगी। बता दें कि काजल बड़े लगते हैं, नागिन 5 और साथ निभाना साथिया जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। ऐश्वर्या को नहीं पसंद आया था दयाबेन का रोल ऐश्वर्या सखूजा ने भी इस रोल के लिए ऑडिशन दिया था।

एक इंटरव्यू में ऐश्वर्या से जब पूछा गया कि क्या इस खबर में कोई सच्चाई है? तो इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा कि मैंने इस रोल के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर रही हूं। वहीं दिशा 2008 से तारक मेहता का उल्टा चश्मा में काम कर रही थीं। उन्होंने सितंबर 2017 में मैटरनिटी लीव ली थी और तब ये कहा जा रहा था कि वो 5 महीने बाद शो में वापसी कर लेंगी। फिर नवंबर 2017 में दिशा ने बेटी को जन्म दिया, लेकिन शो से लीव लिए हुए उन्हें पूरे 5 साल हो गए। दयाबेन के बारे में ये भी खबरें आ रही है कि उन्हें ओटीटी के लिए एप्रोच किया गया है। फिलहाल अभी तक उन्होंने इस बात की पुष्टि नहीं की है।

अजब-गजब | जानिए क्या है इसके पीछे की वजह

ये है दुनिया का अनोखा गांव जहां बिना कपड़ों के रहते हैं लोग

दुनिया में कई ऐसी जगहे हैं जो अजीबोगरीब रहन-सहन के लिए जाती हैं। दुनिया में एक ऐसी ही जगह है, जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। आमतौर पर लोग कपड़े पहनकर ही घर से बाहर कहीं जाते हैं। लेकिन दुनिया में एक ऐसा गांव है जहां पर लोग अजीबोगरीब परंपरा का पालन करते हैं। इस गांव के लोग 90 साल से एक अजीबोगरीब परंपरा का पालन करते आ रहे हैं। आइए जानते हैं इस गांव की अजीबोगरीब परंपरा के बारे में...

दरअसल दुनिया का यह अनोखा गांव ब्रिटेन में स्थित है। यहां पर बीते 90 सालों से लोग बिना कपड़ों के रह रहे हैं। अब आपको यह सुनकर यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के इस गांव में लोग सालों से बिना कपड़ा पहने रह रहे हैं। इस गांव में लोगों के पास दो कमरों का बंगला भी है। इस गांव में रहने वालों के पास सभी सुविधाए हैं, लेकिन यहां लोग मान्यताओं और परंपराओं का पालन करते हैं जिसकी वजह से कपड़ नहीं पहनते हैं। यह गांव ब्रिटेन के हर्टफोर्डशायर में स्थित है जिसका नाम

स्पीलप्लाट्ज है। इस गांव में बच्चों से लेकर बूढ़ों तक कोई कपड़ा नहीं पहनता है। जर्मन में स्पीलप्लाट्ज का मतलब खेल का मैदान होता है। हर्टफोर्डशायर में स्थित यह अनोखा गांव ब्रिटेन की सबसे पुरानी कॉलोनियों में शामिल है। इस गांव में खूबसूरत मकान, स्विमिंग पूल और लोगों को पीने के लिए बीयर भी मिलती है। बताया जाता है कि 90 साल से ज्यादा समय से लोग इस अनोखे गांव में इसी तरह रह रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्पीलप्लाट्ज गांव में रहने वाले 82 वर्षीय इसेल्ट रिचर्डसन के पिता ने साल 1929 में इस समुदाय की स्थापना की थी। उनका कहना है कि प्रकृतिवादियों और सड़क पर रहे लोगों में कोई अंतर नहीं है। इस गांव की अनोखी परंपरा को लेकर दुनियाभर के कई लोगों ने डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्में बनाई हैं। इस गांव में पोस्टमैन और सुपरमार्केट से सामानों की डिलीवरी करने के लिए लोग आते रहते हैं।

क्यों होती हैं लोगों की आंखें नीली, हरी, भूरी या काली

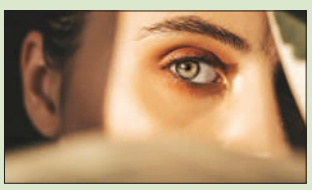

आपने गौर किया होगा कि हर व्यक्ति की आंखों का रंग अलग-अलग होता है। किसी का भूरा होता है, तो किसी का काला, इसके अलावा भी कई लोगों की आंखें, हरी, नीली, गाढ़ी भूरी भी होती हैं। इस तरह की अलग आंखें लोगों का ध्यान भी आकर्षित करती हैं। कई लोग आकर्षक दिखने के लिए अपनी आंखों का रंग बदलवा भी लेते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर लोगों के आंखों का रंग अलग-अलग होने के पीछे क्या वजह है? अगर आपको नहीं पता तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं। दरअसल, हमारी आंखों के रंग का संबंध हमारे जीन्स से जुड़ा होता है। कई लोगों को इस बात का अफसोस रहता है कि उनकी आंखों का रंग सभी की आंखों की ही तरह सामान्य है। लेकिन अगर आपके मन में ये सवाल आता है कि आखिर ज्यादातर लोगों की आंखों का रंग एक जैसा क्यों होता है, तो आइए हम आपके इस सवाल का भी जवाब देते हैं। असल में हमारी आंखों का रंग पुतली में मैलानिन की मात्रा के मुताबिक तय होता है। इसके अलावा प्रोटीन का घनत्व, और आस-पास फैले उजाले पर भी आंखों का रंग निर्भर करता है। हमारी आंखों का रंग कुल 9 कैटेगरी में बंटा हुआ है, जबकि 16 जीन होते हैं। ये हमारी आंखों के रंग के साथ जुड़े होते हैं। आंखों के रंग के लिये जिम्मेदार दो प्रमुख जीन हैं OCAw और HERC2। ये दोनों ही क्रोमोसोम 15 में मौजूद होते हैं। दरअसल, HERPC2 जीन OC2 के एक्सप्रेशन को कंट्रोल करने का काम करता है। HERC2 नीली आंखों के लिए एक हद तक जिम्मेदार माना जाता है। जबकि, OCA2 नीली और हरी आंखों से जुड़ा होता है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि दुनिया में सबसे अधिक लोगों की आंखें भूरे रंग की होती हैं। इसके पीछे की वजह ये है कि सबसे ज्यादा लोगों में इसे डेवलप करने वाले जीन ही मौजूद होते हैं। वहीं नीले रंग की आंखों वाले लोगों की संख्या दुनिया में सबसे कम होती है। दुनिया भर में आपको हर जगह पर भूरे रंग की आंखों के लोग आसानी से मिल सकते हैं, लेकिन नीली रंग की आंखों का मिलना काफी मुश्किल होता है। दरअसल, माना जाता है कि नीली आंखों वाले लोगों के पूर्वज एक ही हैं। करीब 6 हजार से 10 हजार साल पहले इंसानी जीन में हुए एक बदलाव के चलते लोगों की आंखों का रंग नीला होने लगा था। आपको जानकर हैरानी होगी कि वैज्ञानिकों के अनुसार जीवन के शुरुआती दौर में हमारी आंखों का रंग काफी तेजी से बदल सकता है। कई बार ऐसा होता है कि एक बच्चा नीली आंखें लेकर पैदा होता है, लेकिन बाद में आंखों का रंग भूरा हो जाता है।

मुफ्त शिक्षा और इलाज रेवड़ी नहीं, देश को नंबर एक बनाने के लिए जरूरी : केजरीवाल

» सिर्फ शिक्षा से एक पीढ़ी में भारत बन जाएगा अमीर देश

» सिंगापुर और जापान से पीछे हो चुका है भारत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में कहा कि निशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं रेवड़ी नहीं हैं और अगर लोगों को ये सुविधाएं दी जाएं तो भारत दुनिया का नंबर एक देश बन सकता है।

उन्होंने कहा कि लोगों को अच्छा इलाज देना फ्री की रेवड़ी नहीं है। लोगों को इलाज के लिए जेवर और जमीन बेचने पड़ते हैं। हमें प्रण लेना होगा कि 130 करोड़ में से कोई बीमार हो तो सब मिलकर उसका इलाज कराएंगे। सभी अमीर देशों में लोगों का इलाज फ्री है, हमें इंश्योरेंस की जरूरत नहीं, अस्पताल की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'शिक्षा को फ्री बी मत कहिये। मां-बाप अपने बच्चे को फ्री बी नहीं देते। ये हमारे बच्चे हैं, पैसे की कमी है तो एक वक्त की रोटी कम खा लेंगे लेकिन बच्चों को फ्री और अच्छी शिक्षा देंगे। 39 देश फ्री शिक्षा देते हैं। सिर्फ शिक्षा से एक पीढ़ी में भारत अमीर देश हो जाएगा।

उन्होंने कहा, 'आने वाला कल भारत का है और देश के 130 करोड़ लोगों को एक साथ आने तथा भारत को दुनिया का नंबर एक देश बनाने का संकल्प करने की जरूरत है। हमने एक साथ आकर ब्रिटिश शासन को देश से निकाला था। आज, अगर हम साथ आएं तो भारत को दुनिया का नंबर एक देश बना सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि हमें चुनौतियों और भविष्य के बारे में सोचने की जरूरत है। कई लोग पूछ रहे हैं कि 75 वर्षों में कई देश हमसे आगे कैसे निकल गए। भारत के 15 साल बाद आजाद होने वाला सिंगापुर और दूसरे विश्व युद्ध में तबाह हुआ जापान हमसे आगे निकल गया। हम किसी से कम नहीं हैं। भारतीय दुनिया में सबसे बुद्धिमान, मेहनती लोग हैं लेकिन फिर भी हम पिछड़ गए हैं।

सरिया लदा ट्रक मकान में घुसा, रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर समेत चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। जिले में सोमवार की देर रात सरिया से लदा एक ट्रक बेकाबू होकर सड़क किनारे बने मकान में घुस गया। हादसे में रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर और उनकी पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

कुरावली थाना इलाके के खिरिया पीपर गांव में सरिया से लदा ट्रक मकान में घुस गया। हादसे में मकान स्वामी रिटायर्ड उपनिरीक्षक विश्राम सिंह (61), उनकी पत्नी विनोद कुमारी (58), ट्रक चालक कवींद्र, परिचालक अंकित पुत्र प्रमोद निवासी कुंदरकोट अहिरवां, जिला औरैया की मौके पर ही मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हैं। घायलों में मुनेश कुमार, रामनारायण, संजीव, सुनील, देवेंदर और अखिलेश शामिल हैं। मलबे में अब भी एक शख्स के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद रात में आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नियमों और सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करेगी बीसीएल : उमाशंकर

बीसीएल लखनऊ चैप्टर की लॉन्चिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बिजनेस कनेक्ट लखनऊ बीसीएल की लॉन्चिंग के बाद अब प्रदेश के अलग-अलग जनपदों से बीसीएल की मांग आने लगी हैं। बीसीएल के डायरेक्टर उमाशंकर दुबे ने बताया कि लखनऊ में बीसीएल की भव्य लांचिंग और सफलता के बाद अब तक प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, आगरा और गोरखपुर से व्यापारियों की अपने अपने जिलों में लांचिंग की मांग आई है।

उमाशंकर दुबे ने बताया कि बीसीएल नियमों और सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं करेगी। एक जिले में बीसीएल का मात्र एक ही चैप्टर होगा। कोई फ्रेंचाइजी नहीं दी जाएगी। बीसीएल टीम खुद अपनी निगरानी में जनपदों में बीसीएल लॉन्च करेगी और वहां के व्यापारियों के व्यापार कैसे बढ़े, व्यापार के क्षेत्र में नए व्यापारियों को निःशुल्क प्रशिक्षण की भी व्यवस्था रहेगी, जिससे लोगों को रोजगार की दिशा में सहयोग मिल सके। श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेई मेमोरियल फाउंडेशन के तत्वावधान में नौ अगस्त को लखनऊ में अटल कोरोना वारियर्स सम्मान का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बिजनेस कनेक्ट लखनऊ के व्यापारियों को सम्मानित किया था। इस अवसर पर बीसीएल लखनऊ चैप्टर की लांचिंग हुई।

अमृत महोत्सव आत्मनिर्भर भारत का संकल्प : धामी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ उत्तराखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। राजधानी देहरादून के परेड मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विशिष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अमृत महोत्सव मना रहा है। महान स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानी वीर जवानों को समर्पित अमृत महोत्सव नए भारत, आत्मनिर्भर भारत का भी संकल्प है। देश के घर-घर में फहराता तिरंगा दुनिया को एक भारत, श्रेष्ठ भारत का संदेश दे रहा है। पिछले आठ वर्षों में केंद्र सरकार ने उत्तराखंड के लिए 1.50 लाख करोड़ से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।

सपाइयों ने निकाली तिरंगा बाइक रैली महंगाई और भ्रष्टाचार पर भाजपा को घेरा

» खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाकर सरकार ने तोड़ दी आम आदमी की कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संतकबीरनगर। सपा नेता जयराम पांडेय और कार्यकर्ताओं ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आह्वान पर मेंहदावल क्षेत्र के दर्जनों कस्बों में क्रांति तिरंगा बाइक रैली निकालकर घर-घर तिरंगा झंडा फहराया। रैली के दौरान सपा नेता जयराम पांडेय ने महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते बताया कि रैली के दौरान लोगों को मौजूदा सरकार की नीतियों के बारे में भी अवगत कराया गया।

यूपी के संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल विधान सभा क्षेत्र में सपा नेता जयराम पांडेय और कार्यकर्ताओं ने अगस्त क्रांति के तहत हर घर तिरंगा लगाने के लिए रैली निकाली। क्षेत्र के विभिन्न चौराहों और कस्बों से हजारों की संख्या में बाइक लेकर सपाइयों ने पूर्व प्रत्याशी जयराम पांडेय के नेतृत्व में तिरंगा बाइक रैली निकाल शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन

किया। इस दौरान सपाइयों ने घर-घर झंडा लगाने का कार्य करते हुए सभी को झंडा वितरण भी किया। उन्होंने कहा कि नौ अगस्त के ही दिन से देश से अंग्रेजों को भगाने के लिए महात्मा गांधी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने बिगुल बजाया था. जिसका नतीजा रहा कि हमें गुलामी की जंजीरों से निजात मिली। उन्होंने कहा कि महंगाई और खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी लगाकर भाजपा सरकार ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

कांग्रेस ने निकाली आजादी गौरव यात्रा, देश सेवा का लिया संकल्प

» कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका ने की शिरकत

» महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी व गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व में आजादी गौरव यात्रा निकाली गई। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं ने स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस पार्टी की आजादी गौरव यात्रा के तहत गांधी स्मृति पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उन्होंने गांधी स्मृति में देश की सेवा करने और राष्ट्र की एकता की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई। इस यात्रा का मकसद यही है कि जिन देशवासियों, नेताओं ने इस देश की आजादी के लिए जान न्यौछावर की और जिनकी वजह से हम आजाद हैं उनको याद करें। हम एकजुट होकर देश के लिए और देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। इस मौके पर कांग्रेस पार्टी ने आजादी गौरव यात्रा की कुछ तस्वीरों को ट्वीट किया। कांग्रेस पार्टी ने ट्वीट कर लिखा कि दिल्ली की सड़कों ने आज आजादी की गौरव यात्रा का अनुभव किया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले कांग्रेसजनों का यही प्रण आजादी हासिल की थी,अब इसे बचाएंगे भी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों को बधाई दी। सोनिया गांधी ने कहा कि देश हमेशा अपनी बहुलता और विविधता पर खरा उतरा है। पिछले 75 वर्षों में भारत ने अपने प्रतिभाशाली भारतीयों की कड़ी मेहनत के माध्यम से विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सूचना प्रौद्योगिकी सहित सभी क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में एक अमिट छाप छोड़ी है।

बिल्डर की दबंगई, सील तोड़ कर खुलेआम करा रहा अवैध निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अवैध निर्माण को लेकर योगी सरकार का काफी सख्त रवैया है। विकास प्राधिकरणों की कार्यशैली को लेकर भी समय-समय पर मुख्यमंत्री अपनी गहरी नाराजगी जता चुके हैं। बावजूद इसके कोई विशेष सुधार होता नजर नहीं आ रहा है। प्राधिकरण के अधिकारी हो या कर्मचारी, सब के सब अपनी अपनी जेबें भरने में लगे हुए हैं और यही कारण है कि पूरे प्रदेश में अवैध निर्माण बदस्तूर जारी है।

ऐसा ही एक मामला लखनऊ के शहीद पथ के बगल में गोमती नगर विस्तार चार का है। जहां एक दबंग बिल्डर के आगे लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारी बेबस है। सिटी मांटेसरी स्कूल विस्तार के पास केनरा बैंक के करीब शहीदा अख्तर का एक बड़ा आवासीय प्लॉट है, जिस पर बिल्डर सचिन सिंह एग्रीमेंट कर कामर्शियल निर्माण कर रहा है। पार्किंग की जगह गायब कर भूतल और ग्राउंड फ्लोर पर मार्केट खड़ी कर दी और ऊपर भी व्यावसायिक कार्य के लिए निर्माण करा दिया। जूनियर इंजीनियरों की मिलीभगत से लगातार काम चलता रहा। दिखावे के लिए महज कागजी खानापूर्ति होती रही लेकिन जब मामले ने तूल पकड़ा तो एलडीए अधिकारियों ने बिल्डिंग को सील करा दिया। बिल्डर इतना दबंग निकला कि उसने सील तोड़ कर अवैध निर्माण कराता चला गया। अपनी गर्दन फंसती देख जूनियर इंजीनियर चिट्ठी पत्री के जरिए दिखावे के लिए अवैध निर्माण को रुकवाने की कोशिश की। पुलिस उपायुक्त को कई बार पत्र लिखकर थाना पुलिस के जरिए काम को रुकवाने की भी कोशिश की गई लेकिन सेटिंग के चलते निर्माण कार्य बदस्तूर जारी रहा। अब जब शिकायतों का सिलसिला शुरू हुआ तो फोर पीएम की पड़ताल में सब कुछ साफ हो गया। एलडीए अधिकारी अब बैकफुट पर है और खुद को पाक साफ दिखाने के लिए कागजी कार्रवाई का हवाला दे रहे हैं। अवैध निर्माण के मुद्दे पर एलडीए सचिव जहां जोनल अफसरों पर ठीकरा फोड़ रहे है वही जोनल अफसर अपने अधीनस्थों पर। कहने के लिए सभी अधिकारी कार्रवाई की बात कर रहे है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब अधिकारियों कर्मचारियों की मंशा पाक साफ रही है तो फिर यह अवैध निर्माण आखिरकार कैसे पूरा हो गया। भारी भरकम इमारत बनकर तैयार हो चुकी है और फिनिशिंग का काम चल रहा है।

शहीद पथ के बगल में गोमतीनगर विस्तार-4 में सीएमएस के पास बनकर तैयार अवैध इमारत

- एलडीए सील तोड़ने पर करा चुका है एफआईआर, काम रोकने के लिए कई बार लिखा जा चुका है पुलिस को पत्र
- थाना पुलिस की मिलीभगत से बिल्डर के हौसले बुलंद, काम जारी
- एलडीए सचिव व ओएसडी ने मामले को लिया संज्ञान में
- अवैध बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू

> बिल्डर काफी दबंग किस्म का है। लगातार कार्रवाई की जा रही है, बावजूद इसके अवैध निर्माण कार्य बंद नहीं कर रहा है। इसको लेकर गोमती नगर विस्तार थाने में कई बार चिट्ठी दी जा चुकी है। थाना पुलिस की निगरानी में यह बिल्डिंग दी जा चुकी है बावजूद इसके पुलिस द्वारा काम नहीं रोका जा रहा है। अब इस मामले में अवैध निर्माण को गिराने के लिए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की संस्तुति कर दी गई है। आगे का फैसला अफसरों को लेना है।
> -सुभाष शर्मा, जेई प्रवर्तन, जोन 1

> लखनऊ विकास प्राधिकरण का कार्यक्षेत्र 7 जोन में बंटा हुआ है और सभी जोनल अफसरों की अवैध निर्माण को लेकर जवाबदेही तय है।
> - पवन कुमार गंगवार, एलडीए सचिव

> पहले तो इस पूरे प्रकरण में अनभिज्ञता जताई लेकिन बाद में बोले कि अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को पूरा कराने का काम किया जाएगा। - अरूण कुमार सिंह, ओएसडी, जोन 1 प्रवर्तन

> अवैध निर्माण थाना पुलिस की देखरेख में नहीं चल रहा है और न ही हमें इस मामले की जानकारी है। एलडीए द्वारा कोई भी पत्र हमें प्राप्त नहीं हुआ है। यदि कोई शिकायत है तो मौके पर जाकर काम बंद कराया जाएगा।
> -अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी, गोमती नगर विस्तार

पुण्यतिथि: अटल बिहारी वाजपेयी को सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आज सुबह सीएम योगी लोक भवन (मुख्यमंत्री कार्यालय) में स्थापित वाजपेयी की प्रतिमा स्थल पर पहुंचे और पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक तथा जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई प्रमुख लोग मौजूद थे। अटल बिहारी वाजपेयी-अमर रहे के नारों के बीच सरकार के मंत्रियों, भाजपा नेताओं, विधायकों ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी का निधन 16 अगस्त 2018 को हो गया था। वह लखनऊ संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे।

तेलंगाना के सीएम और राज्यपाल के बीच बढ़ी तल्खी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद (तेलंगाना)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन के बीच तल्खी सामने आई है। सीएम चंद्रशेखर राव राज्यपाल के आवास पर आयोजित एट होम कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

स्वतंत्रता दिवस की शाम राजभवन में एट होम कार्यक्रम रखा गया था। माना जा रहा था कि चंद्रशेखर राव कार्यक्रम में उपस्थित होंगे, लेकिन अंतिम समय में किसी कारण से कार्यक्रम में नहीं आए। हालांकि बीते महीने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर राव ने राज्यपाल के साथ संबंधों के सुधरने के संकेत दिए थे, लेकिन अब कार्यक्रम में शामिल ना होने से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। बीती रात राज्यपाल के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से एट होम कार्यक्रम की तस्वीरें ट्वीट की गई थी।

- राज्यपाल के एट होम कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव

फोटो: 4पीएम

देश प्रेम लखनऊ। आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर 75 महिला कर्मियों की अगुवाई में लखनऊ विकास प्राधिकरण व स्मारक समिति के कर्मचारियों की मोटर साइकिल तिरंगा रैली बड़ी धूमधाम से निकली, जिसमें जनसंपर्क अधिकारी भावना सिंह ने बुलेट पर सवार होकर तिरंगा लहराया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।